

प्रेषक,

आलोक कुमार वर्मा
अपर सचिव, न्याय एवं अपर विधि परामर्शी,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में

मा0 महाधिवक्ता,
उत्तरांचल,
नैनीताल।

न्याय अनुभाग :

देहरादून दिनांक 18 मार्च, 2006

विषय:-

श्री नन्दावल्लभ तिवारी, मुख्य स्थायी अधिवक्ता को मा0 उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल में उत्तरांचल राज्य की ओर से पैरवी/बहस किए जाने हेतु अपर महाधिवक्ता का स्तर अनुमन्य करने के सम्बन्ध में।

संदर्भ:-

उपरोक्त विषय के सम्बन्ध में शासनादेश संख्या-33-एक(8)/न्याय विभाग/2003, दिनांक 12-12-2003 के अनुक्रम में महामहिम राज्यपाल, मा0 उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल में उत्तरांचल राज्य की ओर से पैरवी/बहस किए जाने हेतु श्री नन्दावल्लभ तिवारी, मुख्य स्थायी अधिवक्ता, को शासन के अग्रिम आदेशों तक अपर महाधिवक्ता का स्तर अनुमन्य करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2- उक्त अनुमन्यता उत्तरांचल सरकार द्वारा किसी भी समय बिना किसी पूर्व सूचना के और बिना कारण बताए निरस्त की जा सकती है।

3- मुख्य स्थायी अधिवक्ता (अपर महाधिवक्ता स्तर) के रूप में श्री तिवारी को शासनादेश संख्या 128-एक(8)/छत्तीस(1)/न्या.अनु./2006 दिनांक 12 सितम्बर, 2005 में की गई व्यवस्था के अनुसार कीस देय होगी परन्तु साथ ही साथ अपर महाधिवक्ता के रूप में पैरवी/बहस किए जाने हेतु शासनादेश संख्या 148-एक(8)/छत्तीस(1)/2005-43-एक(1)/2003, दिनांक 31 अक्टूबर, 2005 में दिए गए निर्बंधनों से शासित होंगे।

4- कृपया श्री तिवारी को तदनुसार सूचित कर दें तथा उक्त अनुमन्यता हेतु उनकी सहमति प्राप्त कर उन्हें तदनुसार कार्य करने हेतु निर्देशित कर दें।

भवदीय

(आलोक कुमार वर्मा)
अपर सचिव।

संख्या 181 (2)-एक(1)/छत्तीस (1)/न्या0अनु0/2006, तदुदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, औबराय मोटर विल्डिंग, गाजरा, देहरादून।
- 2- महानिबन्धक, मा. उत्तरांचल उच्च न्यायालय, नैनीताल।
- 3- परिषद् कौषाधिकारी, नैनीताल।
- 4- सम्बन्धित अधिवक्ता।
- 5- श्री कैलाश पन्त, विशेष जांचाधिकारी, न. मुख्यमंत्री को मा. मुख्यमंत्री जी के अवलोकनार्थ प्रेषित।
- 6- एनआईसी/गार्ड बुक।

(वीरेंद्र पाल सिंह)
अनु सचिव।